नाभि में समाया पूरा इकोतंत्र

अगर आप से यह कहा जाए कि आपकी नाभि में बैक्टीरिया का पूरा इकोतंत्र बसा है, तो आप थोड़ा चौंक ज़रूर जाएंगे। लेकिन यह बात एकदम सच है। नाभि की जैव विविधता को जानने के लिए वैज्ञानिकों का एक समूह बना है जो स्वयं को बेली बटन बायोडाइवर्सिटी (बीबीबी) कहता है। यह समूह रेले स्थित नॉर्थ कैरोलिना युनिवर्सिटी और नॉर्थ कैरोलिना नेचुरल साइंस म्यूज़ियम के वैज्ञानिकों का समूह है। इन्होंने स्वयं अपने, अपने छात्रों, व साइंस ब्लॉगर्स और कई अन्य लोगों की नाभि से कपास के फोहे में सेम्पल लिए।

हमारे सोच में बैक्टीरिया हमेशा खराब होते हैं, और बीबीबी बैक्टीरिया की इसी बदनाम छवि को बदलना चाहता है। बीबीबी के वैज्ञानिक दुनिया को यह दिखाना चाहते हैं कि कई बैक्टीरिया हानिरहित होते हैं जबकि कई अन्य मददगार भी होते हैं। इसके अलावा कई बैक्टीरिया तो हमारे शरीर पर निर्लिप्त भाव से बसे हैं।

नाभि बैक्टीरिया के बसने के लिए बहुत मुफीद जगह है। इसकी सफाई पर लोग ज़्यादा ध्यान नहीं देते हैं और यहां बैक्टीरिया आसानी से ज़्यादा समय तक बने रह सकते हैं। बीबीबी जानना यह चाहते थे कि क्या ये बैक्टीरिया व्यक्ति-व्यक्ति में अलग-अलग होते हैं।

बीबीबी ने सैकड़ों सैम्पल लिए और उन्हें पोषक माध्यम में पनपने दिया। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि

प्रत्येक व्यक्ति की नाभि का इकोतंत्र अनूठा होता है। इस टीम ने 2368 प्रकार के बैक्टीरिया खोजे, जिनमें से 2188 बैक्टीरिया ऐसे थे जो 10 प्रतिशत से कम नमूनों में ही पाए गए।

बीबीबी ने कुछ सेम्पल ऑनलाइन पोस्ट भी किए हैं। चित्र में ऊपर बाईं ओर एक बेसिलस बैक्टीरिया है। यह ऐसे जीवाणुरोधी पदार्थ बनाता है जो अन्य बैक्टीरिया और पैरों की फफूंद को नष्ट कर देते हैं। नीचे दाईं ओर क्लॉस्ट्रिडियम जीनस का बैक्टीरिया है जो गैंगरीन और बॉट्यूलिज़्म रोग पैदा करने वाले कुल का सदस्य है हालांकि इस कुल के अधिकांश बैक्टीरिया हानिरहित हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***